>

Title : Need to renovate and maintain the historical site of Jhansi Fort in Uttar Pradesh.

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव (झांसी) : महोदय, देश की आजादी में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाली प्रातः स्मरणीय महान वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई के झांसी के किले के अंदर एवं लक्ष्मी तालाब, रानी का महल, मंदिर एवं अन्य ऐतिहासिक धरोहरों की हालत उचित रख-रखाव के अभाव में दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। महारानी लक्ष्मीबाई की पोशाक तलवार एवं अन्य महत्व की चीजें किले में विद्यमान नहीं हैं। इस वीरांगना की वीरता की कहानियां बच्चे आज भी स्कूल की किताओं में एवं देशी एवं विदेशी पर्यटक इतिहास के पन्नों में पढ़ते आ रहे हैं। आज भी वे पंक्तियां लोगों को जुबानी याद है-

"बुन्देले हर बोलो के मुंह हमने सुनी कहानी थी,

खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी।"

इतिहास के आकÂर्षण से आकर्षित होकर पर्यटक किले को देखने आते हैं, परंतु वास्तविकता में किले की मौजूद स्थिति को देखकर उन्हें निराशा मिलती है। दिन प्रतिदिन पर्यटकों की संख्या में कमी हो रही है। झांसी की रानी के किले को अंतर्राÂट्रीय स्तर पर पर्यटन के मानचित्र में लाने की आवश्यकता है। इस ऐतिहासिक धरोहर का रख रखाव एवं सौंदर्यीकरण अंतर्राÂष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए तथा रानी से जुड़ी यादें, उनकी पोशाक, तलवार जो ग्वालियर के संग्रहालय में रखी है, उसे झांसी के किले में भव्य संग्रहालय बनाकर रखने की आवश्यकता है।

अतः सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि प्रातः स्मरणीय महान वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के झांसी के किले का जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण, अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रख रखाव, पोशाक, तलवार इत्यादि सभी सामान किले में भव्य संग्रहालय बनाकर स्थापित कराने के आवश्यक निर्देश जारी करने का कÂट करें।